बिमटेक ने दीक्षांत समारोह में 713 विद्यार्थियों को प्रदान की उपाधि

भोपाल। भारत के प्रमुख प्रबंधन संस्थानों में से एक बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी ने आज इंडिया एक्सपोज़िशन मार्ट लिमिटेड में आयोजित अपने 37वें वार्षिक दीक्षांत समारोह के साथ अपनी समृद्ध विरासत में एक और अध्याय जोड़ा।

यह दीक्षांत समारोह बिमटेक के प्रमुख पीजीडीएम पाठ्यक्रमों - पीजीडीएम, पीजीडीएम (रिटेल मैनेजमेंट), पीजीडीएम (इंश्योरेंस बिजनेस मैनेजमेंट), पीजीडीएम (इंटरनेशनल बिजनेस), पीजीडीएम (ऑनलाइन) और फैलोशिप प्रोग्राम के छात्रों के लिए आयोजित किया गया। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने वर्चुअल माध्यम से दीक्षांत समारोह में शिरकत की। बिमटेक की डाइरेक्टर डॉ. प्रवीणा राजीव और गवर्निंग बोर्ड की अध्यक्षा श्रीमती जयमोहता भी इस अवसर पर उपस्थित रहीं। उनके साथ, खैतान एंड कंपनी के सीनियर पार्टनर (विवाद निवारण, रियल एस्टेट) नंद गोपाल खैतान तथा बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य विकास कंदोई भी उपस्थित थे। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा, हमारे देश को पहलगाम में चुनौती दी गई है। इस समय हमारे पास सबसे बड़ा आश्वासन हमारी दूरदर्शी नेतृत्व क्षमता है। लेकिन हमें भारतवासियों के रूप में एकजुट होकर खड़ा होना होगा। भारत के भीतर और बाहर जो शक्तियाँ देशविरोधी हैं, उन्हें निष्क्रिय करना आवश्यक है। ऐसे समय में हमें अपने मूल अधिकारों को अपने मूल कर्तव्यों से नीचे रखना चाहिए। उन्होंने कहा, आज दुनिया जिस गति से बदल रही है, वह औद्योगिक क्रांतियों से कहीं अधिक तेज़ है। इस समय भारत वैश्विक अवसर और विकास का केंद्र बन चुका है। जब विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ कठिनाइयों का सामना कर रही हैं, तब भी हमने अपनी प्रगति की दिशा को बनाए रखा है और फ्रैजाइल फाइव से निकलकर विश्व की पाँच सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गए हैं। आइए हम यह संकल्प लें कि हम उन सभी कमियों को दूर करने की दिशा में कार्य करें और लोकतांत्रिक मूल्यों को सर्वोच्च प्रतिबद्धता के साथ पोषित कर अपने लोकतंत्र को और अधिक सशक्त बनाएं। स्वागत भाषण देते हुए गवर्निंग बोर्ड की अध्यक्षा श्रीमती जयमोहता ने कहा, दीक्षांत समारोह केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि यह मजबूत संकल्प, सीखने और आत्म-परिवर्तन का उत्सव है।